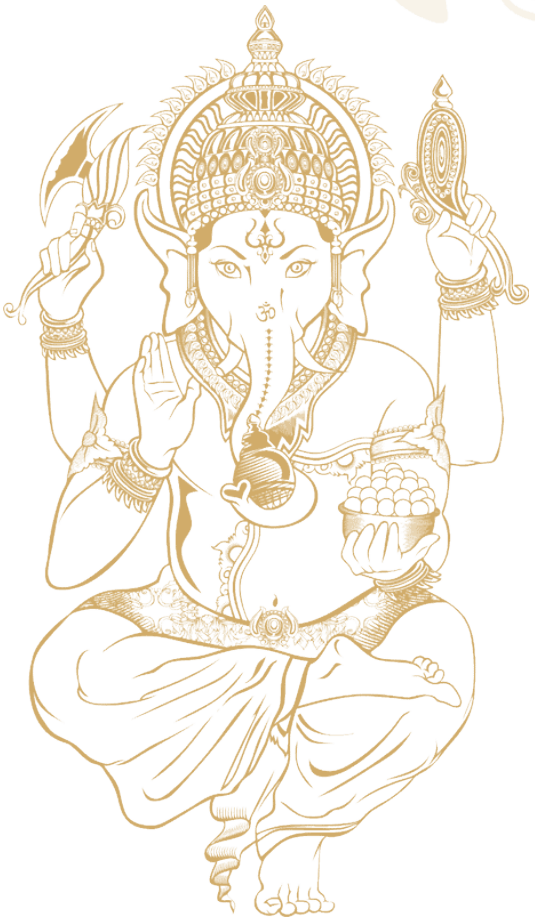

Mr.Abhishek Prabhavale

Ms.Sayali Jadhav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119309404

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
04/06/1990 :	जन्म तिथि	:	27/12/1995
सोमवार :	दिवस	:	बुधवार
कला 17:15:00 :	जन्म समय	:	13:30:00 कला
घटी 28:10:29 :	जन्म समय(घटी)	:	16:19:47 घटी
India :	देश	:	India
Sankeshwar :	स्थान	:	Roha
16:20:00 उत्तर :	अक्षांश	:	18:25:00 उत्तर
74:32:00 पूर्व :	रेखांश	:	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:31:52 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:37:28 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
05:58:48 :	सूर्योदय	:	07:07:36
19:01:33 :	सूर्यास्त	:	18:09:04
23:43:36 :	लाहिरी अयनांश	:	23:48:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगळ 0वर्ष 1मा 7दि	26:44:07	तुला	लग्न	मीन	29:26:19	**गुरु 12वर्ष 1मा 9दि**
शनि	19:52:36	वृष	सूर्य	धनु	11:16:51	**शनि**
12/07/2024	06:28:02	तुला	चंद्र	कुंभ	23:14:30	**05/02/2008**
13/07/2043	09:20:15	मीन	मंगळ	धनु	26:44:04	**05/02/2027**
शनि 16/07/2027	25:56:06	मेष	बुध	धनु	29:16:36	शनि 08/02/2011
बुध 25/03/2030	19:48:55	मिथु	गुरु	धनु	04:36:54	बुध 18/10/2013
केतु 04/05/2031	12:09:38	मेष	शुक्र	मक	13:04:13	केतु 27/11/2014
शुक्र 03/07/2034	00:53:01	मक व	शनि	कुंभ	25:17:38	शुक्र 27/01/2018
रवि 15/06/2035	15:15:21	मक व	राहु व	कन्या	29:43:58	रवि 09/01/2019
चन्द्र 14/01/2037	15:15:21	कर्क व	केतु व	मीन	29:43:58	चन्द्र 09/08/2020
मंगळ 22/02/2038	14:50:56	धनु व	हर्ष	मक	05:17:15	मंगळ 18/09/2021
राहु 29/12/2040	20:15:05	धनु व	नेप	मक	00:42:18	राहु 25/07/2024
गुरु 13/07/2043	21:55:05	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	07:59:18	गुरु 05/02/2027

लग्न–चलित

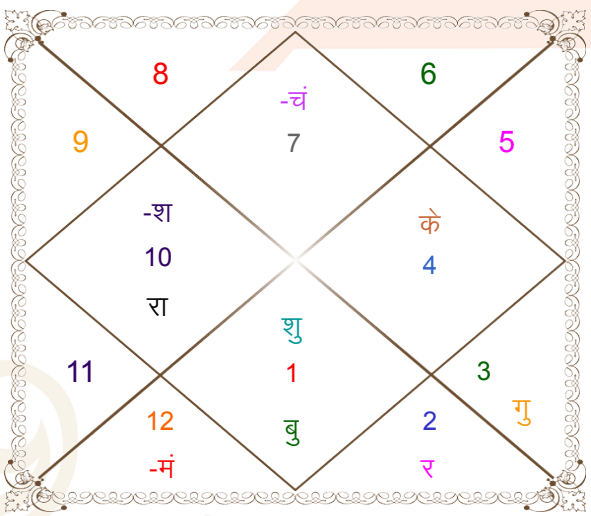

लग्न–चलित

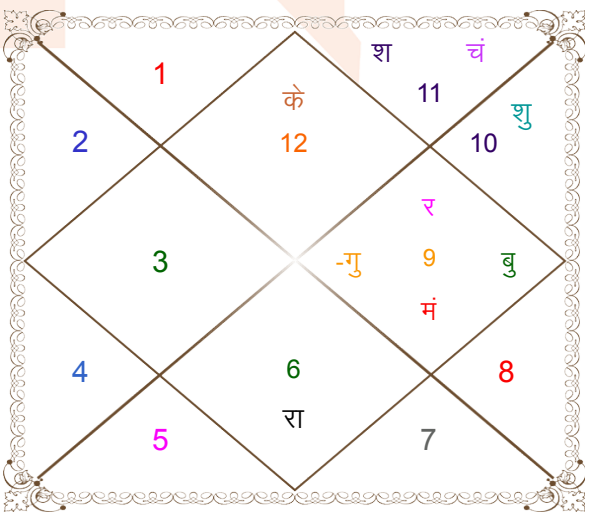

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	––	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	––	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	आह	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	आह	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य / संतान
एकुण :			**36**	**19.50**		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ।ीपीमा च्तंईीअंसम का वर्ग मृग है तथा डेैंलंसप श्रंकींअ का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।ीपीमा च्तंईीअंसम और डेैंलंसप श्रंकींअ का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।ीपीमा च्तंईीअंसम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेैंलंसप श्रंकींअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डतण ।ीपीमा च्तंईीअंसम तथा डेैंलंसप श्रंकींअ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।